

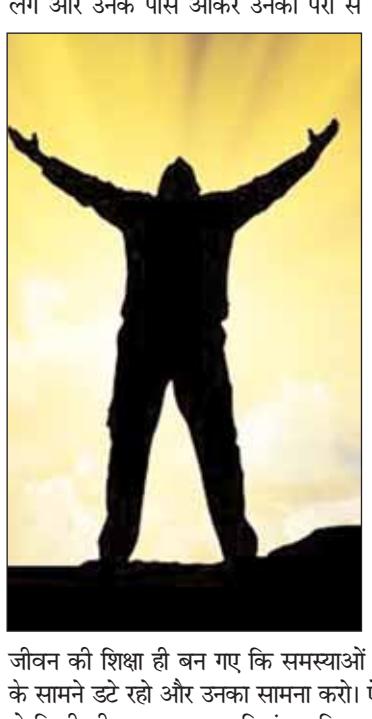
संपादकीय

वरिष्ठता नजरअंदाज

बास्तिकल से अभी साल ही बीता है कि भीतरी घमासान के कारण व्यायापिका फिर विवादों में है। आंतरिक मनमुटाओं को लेकर पिछले वर्ष तो सर्वोच्च व्यायालय के चार वरिष्ठतम जजों ने प्रेस कॉफेंस भी कर डाली थी। इस बार जजों की पदोन्नति का मामला है। इसकी सिफारिश शीर्ष अदालत के कॉलेजियम ने की थी और ये जज जूनियर बताए जाते हैं, जिस पर कानूनविदों के अलावा कई लोगों ने भी भौंहें तरी हैं। कॉलेजियम ने दिल्ली हाईकोर्ट के जज संजीव व्यक्ति तथा कर्नाटक हाईकोर्ट के मुख्य व्यायाधीश दिल्ली माहेश्वरी को सर्वोच्च व्यायालय का जज नियुक्त करने की सिफारिश की है। अगर देशभर के हाईकोर्ट जजों की संयुक्त वरियता सूची को आधार माना जाए तो व्यायमूर्ति व्यक्ति का नाम 33वें स्थान पर तथा व्यायमूर्ति महोश्वरी का नाम 21वें स्थान पर आता है। सर्वोच्च व्यायालय के मुख्य व्यायाधीश रंजन गोगोई की अध्यक्षता में गठित पांच सदस्यीय कॉलेजियम ने इस बाबत लिया गया पूर्व फैसला निरस्त कर दिया था, जिसमें राजस्थान हाईकोर्ट तथा दिल्ली हाईकोर्ट के मुख्य व्यायाधीशों को सर्वोच्च व्यायालय का जज बनाने की सिफारिश की गयी थी।

विडम्बना यह है कि गत 12 जनवरी, 2018 को प्रेस कॉफेंस करने वाले चार व्यायाधीशों में रंजन गोगोई भी शामिल थे, जिन्होंने सर्वोच्च व्यायालय के तत्कालीन मुख्य व्यायाधीश दीपक मिश्र पर केस अलाट करने में भेदभाव तथा अन्य विसंगतियों का आरोप लगाया था। यह बात अलग है कि मीडिया में जाने के इस फैसले को लेकर कानूनियों के अलग-अलग मत थे। सुप्रीमकोर्ट के पूर्व मुख्य व्यायाधीश आर. एम. लोढ़ा मानते हैं कि इस प्रेस कॉफेंस से कुछ भी हासिल नहीं हुआ क्योंकि वस्तुस्थिति जस की तस है। सीनियर जजों की नियुक्ति यों में इस तरह के खुलम्खुला अतिक्रमण से व्यायापिका चौतरफा आलोचना की थिकार हो रही है। ऐसा पहली दफा नहीं हो रहा कि कॉलेजियम की कार्यशील शक्ति-शुल्कों के घेरे में आ रही है। कॉलेजियम की विश्वसनीयता व प्रासारिकता में सुधार के प्रयास समय की मांग हैं लेकिन जजों के चयन व नियुक्ति यों की प्रक्रिया की सही ढंग से समीक्षा भी तो जरूरी है। साथ ही, स्वयं सुधार व शोध की जरूरत से भी इनकार नहीं होना चाहिए।

डर के आगे जीत



एक बार स्वामी विवेकानंद काशी में ऐसे मार्ग से जा थे जहाँ एक और तालाब और दूसरी ओर बहुत बड़ी दीवार थी। उसी स्थान पर बहुत सारे बंदर थे। स्वामी जी को देखकर बंदर विकट चीकार करने लगे और उनके पास आकर उनको पैरों से जकड़ने लगे। बंदों को निकट देखकर रस्ता-स्वामी जी डरकर इधर-उधर भागने लगे। जितना इधर-उधर भागे, उतना ही जोर-जोर से बंदर पीछा करते। अचानक एक ओर से किसी अपरिचित व्यक्ति की आवाज आई बंदों का सामना करे, भागो मत, खड़े रहो। स्वामी जी ने ऐसा ही किया तो देखते ही देखते सारे बंदर एक-एक करके लौट चले। स्वामी जी बताते थे कि उस परिचित व्यक्ति के कहे शब्दों का मेरे चित्र पर ऐसा प्रभाव पड़ा कि उसके बोल मेरे जीवन की शिक्षा ही बन गए कि समस्याओं से डोर नहीं, समस्याओं के सामने डटे रहो और उनका सामना करो। ऐसा ही हुआ, मेरे जीवन से किसी भी प्रकार का भय नियांत्रण: निकल गया।

पनीर मंचूरियन बनाने की की विधि



आपने पनीर से बड़ी कई दिन का स्वाद चर्चा ही होगा, पनीर से बड़े बली हर दिन बढ़ रही लाजवाब और टेटी होती है। अकिञ्चित लोगों को पनीर खाना पसंद भी होता है, इत्याकृत आज हम आपके लिए लाए हैं पनीर मंचूरियन का बनाने की सामग्री :

पनीर (मीडियम डाइज में कटे हुए) - 300 ग्राम, मैदा - 35 ग्राम, बटाक - 1/2 चम्मच, अरारोट - 25 ग्राम, लाल मिर्च - 1/2 चम्मच, पानी - 200 मिलीलीटर, तेल - 1 चम्मच, लहसुन - 11/2 चम्मच, अदरक - 11/2 चम्मच, प्याज - 40 ग्राम, लाल हल्दी - 1 चम्मच, कॉरिंफ फलोर - 1 चम्मच, सोया सॉस - 11/2 चम्मच, चीनी - 1 चम्मच, कॉलीयम निर्म - 50 ग्राम, सोया रोटी - 1 चम्मच, कॉलीयम फलोर - 1 चम्मच, सोया सॉस - 1 चम्मच, चीनी - 1 चम्मच, कॉलीयम निर्म - 1 चम्मच, सिंगंग प्याज (गर्मिश के लिए) - 1 पपीर मंचूरियन बनाने की विधि :

पनीर मंचूरियन बनाने के लिए उपयोग की सामग्री देखने पर ही बन सकती है। पनीर मंचूरियन बनाने की सामग्री :

पनीर (मीडियम डाइज में कटे हुए) - 300 ग्राम, मैदा - 35 ग्राम, बटाक - 1/2 चम्मच, पानी - 200 मिलीलीटर, तेल - 1 चम्मच, लहसुन - 11/2 चम्मच, अदरक - 11/2 चम्मच, प्याज - 40 ग्राम, लाल हल्दी - 1 चम्मच, कॉरिंफ फलोर - 1 चम्मच, सोया सॉस - 11/2 चम्मच, चीनी - 1 चम्मच, कॉलीयम निर्म - 50 ग्राम, सोया रोटी - 1 चम्मच, कॉलीयम फलोर - 1 चम्मच, सोया सॉस - 1 चम्मच, चीनी - 1 चम्मच, कॉलीयम निर्म - 1 चम्मच, सिंगंग प्याज (गर्मिश के लिए) - 1 पपीर मंचूरियन बनाने की विधि :

आरबीआई चाहता है, रिटेल पेमेंट सिस्टम में और प्राइवेट कंपनियां आएं

बैंगलुरु (आरएनएस)। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) चाहता है कि देश में आईएमपीएस और यूपीआई जैसे रिटेल पेमेंट सिस्टम को डिवेलप करने के लिए कुछ और प्राइवेट फर्मस सामने आएं। इसके लिए केंद्रीय बैंक ने कुछ नियम तय किए हैं। इसके आधार पर प्राइवेट पार्टी इसे विकासित करने के लिए आवेदन कर सकती है। आरबीआई ने एक नोट में लिखा है कि तेजी से उभरते इस सेक्टर में अभी कुछ ही प्लेटफर्म हैं और वह कॉम्पटीशन को बढ़ावा देने के लिए कई स्ट्रेटेजी नोट में लिखा है कि पेमेंट सिस्टम के लिए एंट्री नॉर्म्स और कई कंपनियों को देश में पेमेंट्स सिस्टम तैयार करने की इजाजत दे सकता है। रेग्लेटर ने इस मामले पर



आरबीआई ने कहा है कि रिटेल डिजिटल पेमेंट सिस्टम को मजबूत करने के लिए कई स्ट्रेटेजी नोट में लिखा है कि तेजी से उभरते इस सेक्टर में अभी कुछ ही प्लेटफर्म हैं और वह कॉम्पटीशन को बढ़ावा देने के लिए कई स्ट्रेटेजी नोट में लिखा है कि पेमेंट सिस्टम के लिए एंट्री नॉर्म्स और क्रियाओं को आसान बनाया जा सकता है। रेग्लेटर ने इस मामले पर

आम लोगों की राय लेने के लिए पेमेंट सिस्टम की अपनी योजनाओं को सार्वजनिक करते हुए उस पर 20 फरवरी 2019 तक टिप्पणियां संग्रहीत हैं। आरबीआई ने इसकी वजह बताई, बहुत सारे पेमेंट्स सिस्टम के लिए सिर्फ गिने-चुने ऑपरेटर्स ही मौजूद हैं, जिससे सिस्टम में केस्ट्रेशन रिकॉर्ड की अशंका बढ़ गई है। उसने इसके लिए नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) का उदाहरण करने के लिए कई स्ट्रेटेजी पर पहल की जरूरत है। तो इस सेक्टर में लिखा है कि पेमेंट सिस्टम के लिए एंट्री नॉर्म्स और क्रियाओं को आसान बनाया जा सकता है।

नई दिल्ली (आरएनएस)। विदेशी बाजारों में रही तेजी के बीच घेरे लूप्स्टर पर वैश्विक बाजार सोना 125 रुपये चमककर करीब सात साल के उच्चतम स्तर 33,325 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। इस दौरान औद्योगिक ग्राहकों कम होने से चांदी 250 रुपये फिसलकर 39,850 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई। विदेशी बाजारों में लंदन का सोना हाजिर 4.20 डॉलर की तेजी के साथ 4.20 डॉलर प्रति ऑस पर रहा। आठ ग्राम बाली मिनी हाजिर 33,325 रुपये प्रति दस ग्राम पर पहुंच गया। सोना बिटुर भी इतना ही चमककर 33,175 रुपये प्रति दस ग्राम पर रहा। आठ ग्राम बाली मिनी हाजिर 25,500 रुपये पर स्थिर रहा। चांदी की औद्योगिक मांग घटने से चांदी हाजिर 39,850 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गयी। चांदी वायदा भी 265 रुपये की गिरवाई के साथ 38,875 रुपये प्रति किलोग्राम बोली गयी।

एरबीआई ने अपने ग्राहकों को दी चेतावनी, अगर ऐसे मैसेज मिले तो रहे सावधान

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत तेजी से डिजिटलाइजेशन की तरफ आगे बढ़ रहा है। देश में अधिकतक पैसों का लेनदेन आनलाइन माध्यम से ही हो रहा है। तो दूसरी तरफ ठाठी भी काफी हो रही है। अपने ग्राहकों को चेतावनी देते हुए काहा है कि आजकल इंटरनेट बैंकिंग साइट को असली इंटरनेट बैंकिंग साइट के समान प्रतीत होती है। आमतौर पर इंटरनेट बैंकिंग साइट को निशाना बनाते हैं। इंटरनेट बैंकिंग उपयोगकर्ता (यूजर) को पूरी रूप से परहेज करते हुए बैंक ने अपनी बेबसाइट पर बताया है। इंटरनेट बैंकिंग उपयोगकर्ता (यूजर) को धोखाधड़ी वाला ई-मेल प्राप्त होता है। बैंक ने अपनी बेबसाइट पर बताया है कि आजकल इंटरनेट पर बताया है। इंटरनेट बैंकिंग को नियंत्रित करते हुए बैंक ने अपने ग्राहकों को चेतावनी देते हुए कहा है कि आजकल इंटरनेट बैंकिंग साइट को असली इंटरनेट बैंकिंग साइट के समान प्रतीत होती है। आमतौर पर इंटरनेट बैंकिंग साइट को नियंत्रित करते हुए बैंक ने अपने ग्राहकों को चेतावनी देते हुए कहा है कि आजकल इंटरनेट बैंकिंग साइट को असली इंटरनेट बैंकिंग साइट के समान प्रतीत होती है। आमतौर पर इंटरनेट बैंकिंग साइट को नियंत्रित करते हुए बैंक ने अपने ग्राहकों को चेतावनी देते हुए कहा है कि आजकल इंटरनेट बैंकिंग साइट को असली इंटरनेट बैंकिंग साइट के समान प्रतीत होती है। आमतौर पर इंटरनेट बैंकिंग साइट को नियंत्रित करते हुए बैंक ने अपने ग्राहकों को चेतावनी देते हुए कहा है कि आजकल इंटरनेट बैंकिंग साइट को असली इंटरनेट बैंकिंग साइट के समान प्रतीत होती है। आमतौर पर इंटरनेट बै